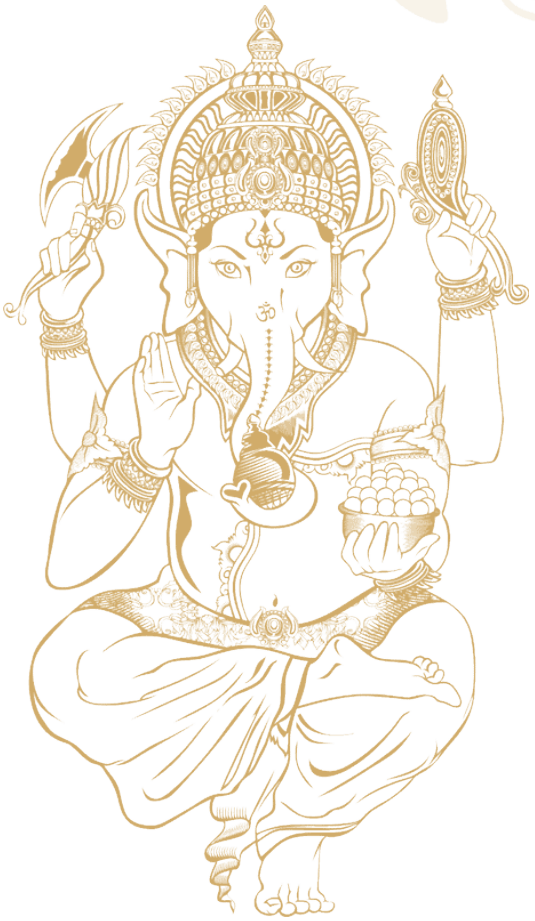

Mohak

Nikita

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121914614

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/10/1990	जन्म तिथि	31/07/1993
शुक्रवार	दिन	शनिवार
घंटे 09:46:12	जन्म समय	10:45:23 घंटे
घटी 08:17:47	जन्म समय(घटी)	12:34:19 घटी
India	देश	India
Jammu	स्थान	Chandigarh
32:42:00 उत्तर	अक्षांश	30:43:00 उत्तर
74:52:00 पूर्व	रेखांश	76:47:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:30:32	स्थानिक संस्कार	-00:22:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:27:05	सूर्योदय	05:39:48
18:10:36	सूर्यास्त	19:18:10
23:43:54	चित्रपक्षीय अयनांश	23:46:20

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 3वर्ष 7मा 12दि	28:50:09	तुला	लग्न	कन्या	18:45:26	शुक्र 13वर्ष 9मा 19दि
सूर्य	17:56:32	कन्या	सूर्य	कर्क	14:14:50	मंगल
18/05/2021	27:09:49	मीन	चंद्र	धनु	17:27:55	20/05/2023
18/05/2027	19:08:11	वृष	मंगल	सिंह	28:51:34	20/05/2030
सूर्य 04/09/2021	05:17:59	कन्या	बुध	मिथु	25:48:52	मंगल 16/10/2023
चन्द्र 06/03/2022	15:13:21	कर्क	गुरु	कन्या	15:52:07	राहु 03/11/2024
मंगल 12/07/2022	10:50:40	कन्या	शुक्र	मिथु	04:15:29	गुरु 10/10/2025
राहु 05/06/2023	25:05:28	धनु	शनि व	कुंभ	04:37:27	शनि 19/11/2026
गुरु 23/03/2024	11:12:11	मक व	राहु व	वृश्चि	17:01:35	बुध 16/11/2027
शनि 05/03/2025	11:12:11	कर्क व	केतु व	वृष	17:01:35	केतु 13/04/2028
बुध 10/01/2026	12:02:47	धनु	हर्ष व	धनु	25:42:12	शुक्र 13/06/2029
केतु 18/05/2026	18:06:07	धनु	नेप व	धनु	25:29:19	सूर्य 19/10/2029
शुक्र 18/05/2027	22:34:58	तुला	प्लूटो व	तुला	28:57:02	चन्द्र 20/05/2030

लग्न-चलित

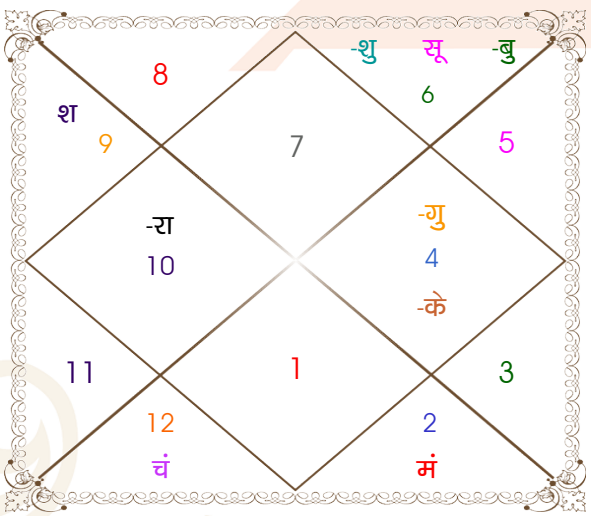

लग्न-चलित

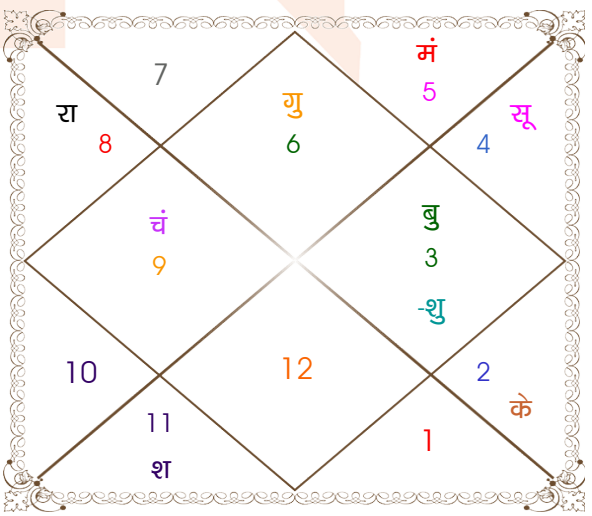

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	31.50		

Mohak का वर्ग सिंह है तथा छपापजं का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mohak और छपापजं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mohak मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

छपापजं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु छपापजं कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mohak कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mohak तथा छपापजं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।